The total ingot production in the country is lower this year by 5.2 per cent as compared to last year. The saleable steel output is down by 6 per cent.

I draw the attention of the hon. Minister to this for taking immediate measures to overcome these bottlenecks in the steel plants and to overcome the shortage of steel."

(iv) MURDER OF A STUDENT OF ST. STEPHEN COLLEGE, DELHI

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : सभापति महोदय, सेंट स्टीफेन कालिज, नई दिल्ली में बी०एस०सी० (द्वितीय वर्ष) का एक 19 वर्षीय छात्र श्री गौतम जयसिंघानी इस महीने की 6 तारीख को अचानक लापता हो गया था। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। दो हफ्ते बाद गत 21 मार्च को श्री गौतम जयसिंघानी की लाश ओखला के पास जंगल में पड़ी मिली थी। इसका मतलब यह हुआ कि श्री गौतम का अपहरण किया गया था और जब अपहरणकर्त्ताओं को अपने उद्देश्य में सफलता नहीं मिली तो उसकी हत्या कर दी गई। श्रीमन् संजय-गीता चोपड़ा कांड की टीस दिल्ली और देश की जनता के दिल से अभी निकली भी नहीं थी कि एक और होनहार नवयुवक की हत्या कर दी गई। ये हत्याकांड तो ऐसे हैं जो प्रकाश में आ गये हैं। इस देश में इस प्रकार के हत्याकांड तथा अन्य जघन्य अपराध न मालूम रोज कितने होते हैं जिनका पता नहीं चल पाता। अफसोस तो इस बात का है कि देश की राजधानी में इस प्रकार के अपराधों की बाढ़ आ रही है। रोज इस सर्वश्रेष्ठ सदन में सरकार का ध्यान आकर्षित कराया जाता है, किन्तु कोई असर नहीं। दिल्ली पुलिस श्री गौतम के हत्यारों का पता लगाने में नाकामयाब रही है। यह उसकी अक्षमता, अकर्मण्यता की ओर इशारा करता है। दिल्ली के लोगों के दिल से पुलिस के प्रति विश्वास उठता जा रहा है और यहां अराजकता का स्वराज कायम हो गया है। वातावरण चिंता एवं असुरक्षा की भावना से भरा हुआ है।

ऐसी स्थिति में हमारी आपसे सानुरोध प्रार्थना है कि आप सरकार को कड़े शब्दों में चेतावनी दें कि वह पुलिस के ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन करके उसे सक्षम, सजग एवं अधिक क्रियाशील बनाये ताकि लोगों के मन में उसके प्रति पुनः विश्वास की भावना जाग सके और श्री गौतम के हत्यारों को शीघ्र ढूंढ निकाल कर कानून के हवाले करे।

MR. CHAIRMAN: Only the approved statement will go on record.

4.00 hrs.

श्री चन्द्रपाल शैलानी : सभापति महोदय, इस स्टेटमेंट को पहले आपने पढ़ लिया है और इसको एपरुव किया है। आपके महकमे ने ही इसको टाइप करवा के भेजा है।

(v) STARVATION CONDITION IN ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

SHRI MANORANJAN BHAKTA (Andman and Nicobar Islands): Severe drought prevails throughout the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands and the rural poor are facing starvation. The Andaman and Nicobar administration declared the Territory as drought affected and started relief work through the Food for Work Scheme. In spite of repeated requests to the Government of India, a post of Rural Development Officer was not created, and the relief work is also inadequate Every day I am receiving a number of letters from Village Panchayat Pradhans and others stating that works under the Food for Work Scheme is not provided to them adequately and that those who are working are not paid either rice or wheat and that the people are starving When the officers are contacted, they are not helpful.

I draw the attention of the Home Minister and the Minister of Agriculture to this and request them to

depute a senior official from Delhi to enquire into the matter immediately and take suitable action to save the poor people of that far-flung Union Territory from

14.03 hrs.

STATUTORY RESOLUTION RE: PROCLAMATIONS IN RELATION TO THE STATES OF BIHAR, GUJARAT, MADHYA PRADESH, MAHARASHTRA, ORISSA, PUNJAB, RAJASTHAN, TAMIL NADU AND UTTER PRADESH-Contd.

MR. CHAIRMAN: We now take up further discussion on the Statutory Resolutions regarding approval of Proclamations. Shri Daga may con-PRADESH—*Contd.*

श्री मूलचन्द डागा (पाली) : सभापति महोदय, कल मैं ने जिस पत्र का हवाला दिया था वह तस्कालीन गृह मंत्री ने 18 अप्रैल, 1977 को लिखा था। उसके बाद संविधान के बड़े बड़े विशेषज्ञों और राजनीति के पंडितों ने, जो आज उधर बैठे हुये हैं, ऊंचे स्वर से यह आवाज उठाई कि चूंकि कांग्रेस ने जनता का विश्वास खो दिया है, इसलिये उसकी राज्य सरकारों को हटा देना चाहिए। इसके लिये उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 356 का उपयोग किया।

चुनावों में हमारी हार का कारण यह नहीं था कि हम आर्थिक नीतियों या विदेश नीति के मोर्चे पर असफल रहे। उसके कोई राजनैतिक कारण नहीं थे। एक छोटा सा कारण यह था कि हमने परम्पराओं में जकड़ी हुई ग्रामीण जनता में नसबन्दी का कार्य शुरू किया था, जिसमें कुछ अफसरों ने कुछ छोटी मोटी गलतियां कीं। उधर बठने वालों ने उन गलतियों को बड़ा भारी रूप दिया और उनका प्रचार किया। हमारी पराजय का एकमात्र कारण यही था कि परम्पराओं से बंधी हुई गरीब जनता में हमारे खिलाफ नाराजगी थी।

जैसाकि मैंने कल कहा था, जब जनता पार्टी शासन में आई, तो उसने जनता के सामने बड़े खूबसूरत वायदे किये थे। उन वायदों का मैं इस समय जिक्र नहीं करना चाहता हूं, क्योंकि वर्तमान बहस से उनका संबंध नहीं है। हमारे विदेश मंत्री जी भी अच्छे अच्छे भाषण करते थे—और विदेश में रहते थे। जब जयप्रकाश बाबू ने पूछा कि अब देश की क्या हालत है तो तत्कालीन विदेश मंत्री ने उत्तर दिया कि देश की हालत मत पूछिये, विदेश की पूछिये। उस समय यह हालत थी। आप जानते हैं कि जनता पार्टी ने जो वायदे किये थे, वे पूरे नहीं हुए। जब श्री चव्हाण ने श्री मोरारजी देसाई की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा, तो मोरारजी देसाई भाई यूरिन-थेरेपी की बातें करते करते अपना पद छोड़ कर चले गये। कांग्रेस वालों ने उन्हें नहीं निकाला। उसके बाद जब चरण सिंह जी शासन में आ गए, लोक दल की सरकार आ गई तो उन्हें कहा गया कि तुम विश्वास प्राप्त करो लोक सभा से। लेकिन आप जानते हैं कि वह विश्वास प्राप्त नहीं कर सके और उनको भी जाना पड़ा। इस प्रकार से उस शासन का पतन हुआ। हमने इस ढाई साल के बाद यह देखा, और सच बात तो यह है, हमारी जीत क्यों हुई और दो तिहाई बहुमत हमें क्यों मिला कि गरीब और मेहनतकश जनता तथा अल्पसंख्यक लोगों ने अल्ला से दोहाई की कि यह जनता पार्टी जल्दी से चली जाए और अल्ला ने उनकी प्रार्थना सुनी, जनता पार्टी चली गई। अगर वह नहीं जाती तो हिन्दुस्ताना का बेड़ा गर्क हो जाता। कितने का घाटा छोड़ गए, आर्थिक हालत हमारी दुर्बल कर गए।

इसके बाद जब हम ने यह निर्णय लिया और 356 धारा की हमने बात की तो उन्होंने बड़े बड़े आर्ग्यूमेंटस दिये: मैं केवल एक बात कह कर अपना भाषण समाप्त करूंगा और वह यह कि इसका विरोध उनको नहीं करना चाहिए। यह तो साफ जाहिर है कि आपकी नीतियों और आप की कमजोरियों के कारण यह सब हुआ और